मोहयाल मित्र

■ *संपादकीय*

गतिविधियों भरा अक्तूबर

■ **अशोक लव**

मोहयाली गतिविधियों से भरा अक्तूबर पूरे मोहयाल समाज में गतिविधियों भरा रहा। लोकल मोहयाल सभाओं की नियमित बैठकों के साथ इस बार मोहयाल मिलन भी आयोजित हुए।

दो अक्तूबर को मोहयाल सभा उत्तम नगर (नई दिल्ली) और मोहयाल सभा प्रेम नगर (देहरादून) तथा बीस अक्तूबर को मोहयाल सभा देहरादून के मेले आयोजित किए गए। दशहरे के कारण जनरल मोहयाल सभा की मासिक बैठक नहीं हुई। इसके बावजूद सभी पदाधिकारियों और अन्य सदस्य इन समारोहों में मिलते रहे।

इस माह की उपलब्धि के रूप में मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली की मोहयाल आश्रम वृंदावन और गोवर्धन की यात्रा थी। वे आश्रम के उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित नहीं हो सके थे। वे दो दिन तक 14 और 15 अक्तूबर को वहाँ ठहरे। उनके साथ श्रीमती नीता बाली जी भी आई थीं। इसमें सबने पारिवारिक रूप से भाग लिया।

मेहता ओ.पी. मोहन और शकुंतला मोहन, श्री डी.वी. मोहन और श्रीमती उमा मोहन, श्रीमती और श्री बी.एल. छिब्बर, मेरे साथ मेरी पत्नी श्रीमती नरेश बाला लव, श्री योगेश मेहता और श्रीमती सुरभि मेहता, श्री एस.के. छिब्बर और श्रीमती कृष्णलता छिब्बर, श्रीमती और श्री जे.सी. बाली आदि ने रायज़ादा बी.डी. बाली जी के साथ दो दिन बिताए। श्रीमती और श्री कामरान दत्ता भी आ गए थे। 14 अक्तूबर को राधा–कृष्ण जी की प्रतिमा के समक्ष पूजा की गई। उसके पश्चात रायज़ादा बी.डी. बाली जी ने आश्रम का निरीक्षण किया। जहाँ–जहाँ जिन–जिन कार्यों की आवश्यकता थी उस पर चर्चा की गई। भोजन के पश्चात सभी गोवर्धन आश्रम गए। वहाँ अभी कार्य चल रहा है। इसमें से अधिकांश पहली बार वहाँ गए थे। इसके पश्चात गोवर्धन की बाइस किलोमीटर की यात्रा की गई। लौटते हुए श्रीमती और श्री योगेश मेहता के साथ हम पति–पत्नी बांके बिहारी मंदिर गए।

रायज़ादा बी.डी. बाली जी के साथ प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी सम्मान समारोह पर चर्चा हुई। श्री योगेश मेहता और हमने उनके साथ यूथ कैंप पर चर्चा की।

श्री विनोद छिब्बर ने वहाँ अपने साथियों के साथ ओशो शिविर लगाया था। सबने संकीर्तन में भाग लिया।

इससे पूर्व दो अक्तूबर को मोहयाल सभा उत्तम नगर के मोहयाल मेले में मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया उनके साथ हमने– श्री डी.वी. मोहन, श्री पी.के. दत्ता, श्री योगेश मेहता और श्रीमती सुनीता मेहता तथा श्री रमेश दत्ता ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया।

मोहयाल सभा प्रेमनगर (देहरादून) के मोहयाल मेले में मेहता ओ.पी. मोहन जी ने मुख्य–अतिथि के रूप में भाग लिया। उनके साथ श्री एस.के. छिब्बर और श्रीमती कृष्णलता छिब्बर वहाँ गए थे। मेले का सुंदर आयोजन किया गया था।

20 अक्तूबर को मोहयाल सभा देहरादून की ओर से भव्य और अत्यंत प्रभावशाली मोहयाल मेले का 'दी माई टी मोहयाल फ़ेस्ट–2013' के नाम से आयोजन किया। इसमें उत्तराखंड के लोक–नृत्यों ने रंग जमा दिया। इसका सबसे महत्वपूर्ण आकर्षण मोहयालों पर बनी डाक्यूमेंटरी।

इस प्रकार के आयोजन मोहयाल संस्कृति को जीवंत रखते हैं और श्रेष्ठ कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। विभिन्न अंचलों के मोहयाल आपस में मिलते हैं। इस प्रकार के आयोजन होते रहने चाहिएँ। 10 नवंबर को मोहयाल सभा अंबाला और 24 नवंबर को मोहयाल सभा फरीदाबाद के आयोजन होंगे। 17 नवंबर को प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी सम्मान होगा। 13–14 दिसंबर को 'युवा मोहयाल चेतना शिविर' वृंदावन में आयोजित होगा। मोहयाल निरंतर गतिशील रहे हैं और सदा गतिशील रहेंगे।

जय मोहयाल!

 For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

"मेहता श्री ओ.पी. मोहन के जन्म-दिन पर"

जनरल मोहयाल सभा के सीनियर वाइस प्रेजीडेंट मेहता ओ.पी. मोहन का 6 अक्तूबर 2013 को हर्षोल्लास के साथ 93वाँ जन्मदिन मनाया गया, इस अवसर पर समन्वय मंदिर सेक्टर 21डी फरीदाबाद में सुंदरकाण्ड के पाठ का आयोजन किया गया। वृंदावन से श्री हनुमान कीर्तन मंडल की विशेष टीम आई थी जिन्होंने अपने मधुर स्वरों से

हारमोनियम तबले के साथ पाठ को आनंदमय बना दिया। सुंदरकांड पाठ के पश्चात आरती हुई जन्मदिन का केक काटा गया सबने मिलकर "हैप्पी बर्थडे टू यू मोहन साब" के स्वरों से भी ओ.पी. मोहन जी की दीर्घायु की कामना की। कैप्टन के.एल. डोभाल ने श्री ओपी मोहन के जन्मदिन पर स्वरचित भजन सुनाया जिसकी सबने बड़ी प्रशंसा की। तदोपरान्त स्थानीय सेक्टर 21डी के मंदिर समिति की ओर से श्रीमती शकुंतला मोहन एवं श्री ओ.पी. मोहन को पुष्पगुच्छ और मीमेंटो देकर जन्मदिन की बधाई दी गई और दीर्घायु की कामना की।

इस अवसर पर श्री ओ.पी. मोहन को उनके सभी क्षेत्रीय मित्रों, साथियों, दोस्तों, एवं श्री एस.के. छिब्बर पूर्व राज्यपाल मिजोरम, जनरल मोहयाल सभा के प्रधान रायज़ादा बी.डी. बाली एवं श्रीमती नीता बाली, श्रीमती व श्री बी.एल छिब्बर, श्रीमती व श्री डी.वी. मोहन, श्रीमती कृष्णलता छिब्बर व श्री सुशील कुमार छिब्बर, श्रीमती व डॉ. रतन कुमार दत्ता, श्रीमती व श्री वी.के. बाली, रायज़ादा जे.सी. बाली व श्री के.जी. मोहन मोहयाल सभा फरीदाबाद के प्रधान श्री रमेश दत्ता व सदस्यगण सबने श्री मोहन को पुष्पगुछ तथा जन्मदिन के उपहार देकर दीर्घायु की कामना की। श्री पी.के. दत्ता जी किन्हीं विशेष काराणों से स्वयं उपस्थित नहीं हो सके परन्तु उन्होंने फूलों का बहुत सुंदर हार भेजा था जिसे श्रीमती शकुंतला मोहन एवं श्री ओ.पी. मोहन के गले में डालकर कर्तल ध्वनि से तालियाँ बजाई गई। सबने सुंदर भोजन का आनंद लिया तथा प्रसाद ग्रहण किया।

डॉ. अशोक लव और योगेश मेहता पारिवारिक समारोहों के कारण न आ सके। उन्होंने श्री ओ.पी. मोहन जी को बधाई–संदेश भेजकर उनकी दीर्घायु की कामना की।

मंदिर के प्रबंधकों एवं सदस्यों का आभार प्रकट किया गया जिन्होंने मंदिर परिसर में भोजन आदि की बहुत सुंदर व्यवस्था की थी।

इस अवसर पर श्री ओपी मोहन ने जनरल मोहयाल सभा को 2100 रु. भेंट किए।

जियो हजारों साल सदा रहो खुशहाल
जन्मदिन की मुबारक आपको रक्षा करे श्री बद्री विशाल।

–कैप्टन के.एल. डोभाल
6 अक्तूबर 2013

रघुपति राघव हरि श्री ओम जन्मदिवस है मेहता श्री ओम
मेहता मोहन हरि श्री ओम मेहता मोहन हरि श्री ओम
रघुपति राघव हरि श्री ओम जन्मदिवस है मेहता श्री ओम।

जन्मदिवस है नांइटी थ्री चारों ओर है हंसी खुशी
चारों ओर है हंसी खुशी चारों ओर है हंसी खुशी
रघुपति राघव हरि श्री ओम जन्मदिवस है मेहता श्री ओम।

बिघ्न निवारण हरि श्री ओम जय राम जय राम नमो नमो
जय राम जय राम नमो नमो जय राम जय राम नमो नमो
रघुपति राघव हरि श्री ओम जन्मदिवस है मेहता श्री ओम।

टू जीरो वन फोर मंगल हो टू जीरो वन फोर मंगल हो
टू जीरो वन फोर मंगल हो टू जीरो वन फोर मंगल हो
रघुपति राघव हरि श्री ओम जन्मदिवस है मेहता श्री ओम।

तन मन धन के धनी हैं खास मेहता मोहन ओम प्रकाश
तन मन धन के धनी हैं खास मेहता मोहन ओम प्रकाश
रघुपति राघव हरि श्री ओम जन्मदिवस है मेहता श्री ओम।

प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी सम्मान-2013

प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी जनरल मोहयाल सभा की ओर से दसवीं और बारहवीं कक्षा के उन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा, जिनके आवेदन–पत्र प्राप्त हुए थे।

प्रत्येक सम्मानित किए जाने वाले विद्यार्थी को पत्र द्वारा सूचित किया जाएगा।

सम्मान–समारोह के मुख्य–अतिथि मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली विद्यार्थियों को सम्मानित करेंगे।

सम्मान समारोह दिनांक रविवार, 17 नवंबर 2013 को मोहयाल फ़ाउंडेशन, ए–9, कुतुब इंस्टीच्यूशनल एरिया, यू.एस.ओ. रोड, जीत सिंह मार्ग, नई दिल्ली–110067 में आयोजित किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें–

श्री अशोक लव (संयोजक), जनरल मोहयाल सभा
फोनः 011–26560456

नोटः सम्मानित किए जाने वाले विद्यार्थी जनरल मोहयाल सभा द्वारा भेजे गए पत्र को साथ लाएँ।

जी.एम.एस. की वार्षिक सदस्यता/आजीवन सदस्यता

■ मोहयाल मित्र में छपे फ़ार्म को भरकर वार्षिक सदस्यता ग्रहण करें। वार्षिक सदस्यता शुल्क सौ रुपए है।

■ आजीवन सदस्यता शुल्क 2100 रु. है। इसके लिए फ़ार्म भरकर भेजें। जनरल मोहयाल सभा के आजीवन सदस्यों को 'मोहयाल मित्र' आजीवन मिलता है।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

जन्म-दिवस की बधाईयाँ

वैभवी छिब्बर सुपुत्री श्री दिनेश कुमार छिब्बर व दिव्या छिब्बर जिसका दूसरा जन्म दिन 17 अक्तूबर 2013 को मनाया गया। इस उपलक्ष्य में नानी श्रीमती सन्तोष मेहता (लौ) व नाना श्री सुरजीत मेहता (लौ) (वरिष्ठ उपप्रधान एमएस फरीदाबाद) ने मासिक मीटिंग 6 अक्तूबर को मोहयाल भवन में हुई उसमें बड़ी धूमधाम से जन्म–दिन मनाया गया। सभी मोहयाल बहन–भाइयों ने वैभवी छिब्बर की दीर्घायु की कामना की। इस शुभ अवसर पर 250 रु. जीएमएस को भेंट किए।–*सुरजीत मेहता (लौ) मो. 9818107737*

■ **गुनीत मेहता (लौ)** सुपुत्र श्रीमती संतोष मेहता व श्री सुरजीत मेहता (लौ) वरिष्ठ उपप्रधान मोहयाल सभा फरीदाबाद का जन्मदिन 4 अक्तूबर को था। जोकि मासिक बैठक 6 अक्तूबर को मोहयाल भवन में हुई, उसमें जन्मदिन बड़ी धूमधाम से मनाया व सभी बहन भाइयों ने गुनीत मेहता (लौ) की दीर्घायु की शुभकामनाएँ की तथा आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर माँ और पापा ने 250 रु. जीएमएस को दिए।–*सुरजीत मेहता (लौ) वरिष्ठ उपप्रधान एमएस फरीदाबाद, मो. 9818107737*

■ **बेबी ध्रुवी बाली (पायल)** सुपुत्री श्रीमती शिप्ता बाली व श्री अमित बाली पौत्री श्रीमती आशा बाली व श्री विरेन्द्रपाल बाली पड़पौत्री श्रीमती शकुन्तला बाली व स्व. रायजादा अनन्त राम बाली निवासी 43 प्रेम नगर अंबाला शहर व दोहती श्रीमती भारती शर्मा व श्री डी.एन. शर्मा के पहले जन्मदिन दिनांक 3 सितम्बर 2013 के उपलक्ष्य पर 201 रु. स्व. रायज़ादा अनन्तराम बाली मैमोरियल ट्रस्ट व जीएमएस को दो सौ एक रु. मोहयाल सभा अंबाला शहर को भेंट किए। तायाजी श्री पंकज बाली ताई जी श्रीमती इन्दू बाली व बहन बेबी यशिका बाली व समस्त परिवार वालों की तरफ से बाली परिवार को बधाई।

■ **वंशभ दत्ता** सुपुत्र श्रीमती कीर्ति दत्ता व श्री अश्वनी दत्ता पौत्रा श्रीमती राकेश दत्ता व स्वर्गीय गुलशनराय दत्ता निवासी 521/8–12 गीता नगरी अंबाला शहर के जन्म–दिन दिनांक 6 सितंबर 2013 के उपलक्ष्य पर इनकी दादी जी ने 200 रु. जनरल मोहयाल सभा के हरिद्वार आश्रम लंगर फंड व 200 रु. वृंदावन आश्रम लंगर फंड हेतु एक सौ एक रु. एमएस अंबाला शहर को भेंट किए।

इस अवसर पर दत्त परिवार को बधाई।–*पंकज बाली, महासचिव मोहयाल यूथ विंग अंबाला व जीएमएस मैनेजिंग कमेटी सदस्य*

■ नाना श्री अशोक कुमार बाली आज़ाद बाली और नानी श्रीमती ममता बाली ने अपने घर 705, एफ़–4, वार्ड–6, महरौली में अपनी दोहती **आयुशी बक्शी** का जन्म–दिन 27 सितंबर को धूमधाम से मनाया। आयुशी के माता–पिता श्रीमती प्रियंका बक्शी और श्री विनोद क्शी, भाई–अक्षित बक्शी, मामा–श्री गौरव बाली, सौरव

बाली, राजन बाली, बहन–अमृत बाली, धानी बाली आदि ने मिलकर केक काटा और आयुशी को बधाई दी।

इस अवसर पर नाना–नानी ने जी.एम.एस. को 501 रु. भेंट किए।

मोहयाल मित्र की वार्षिक सदस्यता

- ■ 'मोहयाल मित्र' का वार्षिक सदस्यता शुल्क दो सौ रुपए है। यह शुल्क जनवरी से दिसंबर तक होता है।
- ■ नए सदस्य दो सौ रुपए भेजकर वार्षिक सदस्य बनें।
- ■ पुराने सदस्य सन् 2014 के लिए अपना सदस्यता शुल्क भेजने का कष्ट करें।
- ■ वार्षिक सदस्यता शुल्क अपने क्षेत्र की मोहयाल सभा द्वारा भेजें। इसे जीएमएस को सीधे बैंक ड्राफ्ट या चेक द्वारा भी भेज सकते हैं। बैंक ड्राफ्ट या चेक 'जनरल मोहयाल सभा (रजि.) दिल्ली' के नाम पर होना चाहिए।
- ■ मनीआर्डर द्वारा भी दो सौ रुपए भेजे जा सकते हैं।
- ■ अपना नाम और पता अवश्य लिखें।

 For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

बधाई

मास्टर गगन भीमवाल ने दसवीं कक्षा में 80.4 प्रतिशत अंक लेकर आगे दसवीं–बारहवीं (पी.सी.एम.) में राजकीय सीनियर सैकेंडरी स्कूल अबोहर जिला फाजिल्का (पंजाब) में दाखिला लिया है। गगन भीमवाल

राजकीय मॉडल स्कूल गिदड़ां वाली जिला फिरोजपुर (पंजाब) का विद्यार्थी था। गगन भीमवाल भंगर खेड़ा, अबोहर जिला फाजिल्का (पंजाब) निवासी श्रीमती आशा देवी भीमवाल एवं श्री रविन्द्र कुमार भीमवाल का सुपुत्र है। तथा स्व. श्री भीमसैन भीमवाल व श्रीमती उमा देवी भीमवाल का पौत्र है। समस्त भीमवाल परिवार ने बधाई दी व आशीर्वाद दिया।

इस खुशी के मौके पर दादी श्रीमती उमा देवी भीमवाल ने जीएमएस के एजूकेशन फंड में एक सौ एक रुपए भेंट किए।

–मेहता विश्वामित्र भीमवाल (छोटे दादा जी) मो. 9780160085

भैया दूज पर्व

■ **देश वैद**

भैया दूज क्यों मनाया जाता है। अधिकांश लोगों को इस पर्व का ज्ञान नहीं। यह पर्व प्रायः दिवाली के दो दिन बाद कार्तिक मास की द्विवतीय को आती है।

यमराज की छोटी बहन यमुना अपने भाई यमराज से हमेशा आग्रह करती थी कि भैया आप मेरे घर क्यों नहीं आते। मैं आपसे बहुत नाराज हूँ, आप मेरे घर जरूर आओ परन्तु यमराज अपनी छोटी बहन यमुना के घर जाए कैसे। वैसे भी यमराज को किसी के घर जाना अर्थात मृत्यु का आगमन है। इसलिए यमराज यमुना के घर नहीं जाता था। क्योंकि यमराज मृत्यु का देवता है। हर भाई अपनी बहन की खुशी की कामना करता है। यमराज चाहता था कि हमारी बहन दुखी न हो और सदा खुश रहे, लेकिन बहन चाहती है कि मेरा भाई मेरे घर आए इसलिए यमुना बार–बार अपने भाई यमराज को अपने घर आने का निमंत्रण देती थी।

यमराज अपनी छोटी बहन के बार–बार आग्रह को ध्यान में रख कर यमराज ने एक दिन निश्चित किया कि आज छोटी बहन यमुना के घर जाऊगाँ और चल दिया। अपनी बहन के घर पहुचाँ, यह देखकर कि मेरा भाई मेरे घर आया, यमुना बहुत खुश हुई और अपने भाई यमराज को बहुत अच्छी–अच्छी मिठाई पकवान खिलाई और तिलक लगाया यह सब देख कर यमराज बहुत खुश हुआ इतना खुश हुआ कि उसने अपनी छोटी बहन यमुना को बचन दिया कि बड़ा भाई अपनी छोटी बहन के घर जा सकता है। अपनी बहन को इस स्वागत से इतना प्रसन्न हुआ कि उसने वचन दिया कि आज के दिन हमारे दूत किसी का प्राण नहीं लेगें और आज के दिन हमारा कार्यालय बन्द रहेगा।

भाई अपनी बहन के घर जाए अच्छे विचार से जाए और अपनी बहन से तिलक लगवाएं। रक्षाबंधन के दिन बहन अपने भाई के घर जाकर तिलक लगा कर राखी बांधती है और अपनी रक्षा की शपथ दिलाती है लेकिन भैया दूज के दिन बहन अपने भाई को तिलक लगाकर उसकी लंबी उम्र की कामना करती है। रक्षा बंधन व भैया दूज में यही अंतर है। रक्षाबंधन सावन की पूर्णिमा को आती है। और भैया दूज कार्तिक मास के द्वितीय को आती है। अर्थात दिवाली के दो दिन बाद। इसका प्रमाण–आप को मथुरा के यमुना नदी के तट पर एक यमराज की प्रतिमा स्थापित है। यमुना अपने भाई यमराज को तिलक लगा रही है। यह मूर्ति भैया दूज की यादगार के रूप में स्थापित की गयी है जोकि भैया दूज की याद दिलाती है।*–एफ–2/116, सेक्टर–11, रोहणी, दिल्ली–110085 फोनः 011–27570821*

युवा मोहयाल चेतना शिविर

(जनरल मोहयाल सभा द्वारा आयोजित)

मोहयल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली जी के मार्गदर्शन में 'युवा मोहयाल चेतना शिविर' का आयोजन 13–14 दिसंबर को वृंदावन में किया जा रहा है।

इसमें भाग लेने के लिए जनरल मोहयाल सभा के साथ संबद्ध लोकल मोहयाल सभाओं के युवा–प्रतिनिधि ही भाग ले सकते हैं। इच्छुक युवा अपने नाम जी.एम.एस. के साथ संबद्ध लोकल मोहयाल सभाओं के माध्यम से 20 नवंबर 2013 तक भेज दें।

प्रत्येक संबद्ध लोकल मोहयाल सभा (Local Mohyal Sabha Affiliated with GMS) अपनी सभाओं के अधिकतम युवा–प्रतिनिधियों के नाम 20 नवंबर तक जी.एम.एस. कार्यालय में भेज दें।

मोहयाल आश्रम वृंदावन कैंपस (प्लॉट–23, आश्रम विहार, छटीकरा रोड, वृंदावन) में 12 दिसंबर की शाम–रात को पहुँचने वाले युवाओं के ठहरने की व्यवस्था की गई है। 15 दिसंबर को प्रातः जलपान की व्यवस्था है।

जी.एम.एस. के साथ संबद्ध लोकल मोहयाल सभाओं के युवा–प्रतिनिधि ही इसमें भाग ले सकते हैं। स्थान सीमित होने के कारण यह व्यवस्था की गई है।

युवा अपने नाम शीघ्र भेजने का कष्ट करें। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें–

***श्री योगेश मेहता** (संयोजक, सेक्रेटरी यूथ एंड कल्चर), मोहयाल फाउंडेशन, ए–9, कुतुब इंस्टीच्यूशनल एरिया, जीत सिंह मार्ग, नई दिल्ली–110067 फोनः 011–26560456*

रचनाएँ भेजते समय ध्यान दें

- रचनाएँ पोस्टकार्ड या छोटे–छोटे कागज के टुकड़ों पर लिखकर न भेजें। रिपोर्ट और रचनाएँ आदि साफ़ स्पष्ट और शुद्ध लिखें जिन्हें पढ़ा जा सके। ई–मेल से रचनाएँ टाइप करके ही भेजें।
- प्रत्येक रचना भेजने के पश्चात दो माह प्रतीक्षा करें। इसके पश्चात ही कार्यालय से पूछताछ करें।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

दूसरा मधुर मोहयाल-मिलन उत्तम नगर

दिनांकः 2.10.2013
स्थानः कम्यूनिटीहॉल (एम.सी.डी.)
उपस्थितः 223
अध्यक्षताः मुख्य–अतिथिः मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली, अध्यक्ष जी.एम.एस.

दूसरा 'मधुर मोहयाल मिलन' बड़े जोश उत्साह एवं उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली साहब, अध्यक्ष जीएमएस, श्री पी.के. दत्ता वाइस प्रेजीडेंट, श्री डी.वी. मोहन सेक्रेटरी जनरल, श्री अशोक लव सेक्रेटरी, श्री योगेश मेहता (सेक्रेटरी यूथ एवं कल्चर), श्रीमती सुनीता मेहता (सेक्रेटरी स्त्री विंग) की उपस्थिति ने आयोजन में चार चांद लगा दिए।

आदरणीय श्री बी.डी. बाली साहब के पंडाल में प्रवेश करते ही पंडाल 'जय मोहयाल के नारों से गूँज उठा। ध्वजारोहण एवं मोहयाल प्रार्थना

के बाद आयोजन की विधिवत शुरूआत हुई। फूल मालाओं एवं सम्मान के साथ सबसे पहले 'मुख्य अतिथि' आदरणीय श्री बी.डी. बाली जी को एवं उनके बाद अतिथि गण को मंच पर लाया गया। मंच का संचालन कु. नेन्सी दत्ता ने बड़ी कुशलता से किया। मंच संचालन एक ऐसी कला है जिसमें महारत विरलों को ही होती है।

''फकत ये ज़िद है जो कहती है
कुछ बोल, जुबां खोल,
मन कहता है पहले लफज़ तोल''

बस यही लफज़ कहीं खो जाते हैं। चाह कर ज्यादातर बोल नहीं पाते हैं। प्रेजीडेंट (जी.एम.एस.) मन में अटूट विश्वास हो, दृढ़ निश्चय हो, समर्पण का भाव हो, सही लक्ष्य हो, तो कामयाबी कदम चूमती है। श्री बी.डी बाली जी ने पिछले 35–36 वर्षों में ये कर दिखाया, परिणाम सबके सामने है। जी.एम.एस को फर्श से अर्श तक पहुँचाने का श्रेय सिर्फ और सिर्फ उन्हीं को जाता है। अपने सम्बोधन में उन्होंने युवाओं को जी.एम.एस. के साथ जुड़ कर रचनात्मक कार्य करने की प्रेरणा दी। उन्होंने सभी सभाओं को जी.एम.एस. के हर कार्यक्रम में बढ़–चढ़ कर हिस्सा लेने और बिरादरी में ज्यादा से ज्यादा 'लाइफ मेम्बर' बनने और बनाने की अपील की।

वाइस प्रेसिडेंट-जीएमएसः श्री पी.के. दत्ता जी का पंजाबी में बोलने का अंदाज लोगों को हमेशा भाता है। उनका व्यक्तित्व इस धारणा को मजबूत बनाता है कि हमारे बीच जो कामयाबी के शिखर पर हैं वे किसी संयोग की वजह से नहीं है, बल्कि उन्होंने वहाँ तक पहुँचने के लिए औरों से अलग सोचा और इस पर अमल करते रहे। ऐसी हस्तियों में कामयाबी का स्वाद चख लेने भर की भूख नहीं थी, बल्कि वे जहाँ पहुँचती है उससे आगे बढ़ने की तमन्ना रखती है।

सेक्रेटरी जनरल-जीएमएसः आई.एफ.एस अधिकारी (रिटायर्ड) विदेश मंत्रालय में कई ऊँचे ओहदों पर अपनी सेवाएँ दे चुके और टोक्यो ऑफ जापान में कांउसिल जनरल ऑफ इंडिया के गरिमा पूर्ण पर पर रह चुके आदरणीय श्री डी.वी. मोहन साहब पिछले कई वर्षो से निःस्वार्थ भाव से जीएमएस में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। काम के प्रति सच्ची निष्ठा, कर्त्तव्य के साथ पूरी ईमानदारी और इनकी समय की पाबंदी की दूसरी मिसाल मिलना बहुत मुश्किल है।

सेक्रेटरी-जीएमएसः डॉ. अशोक लव जुलाई 1987 से 'मोहयाल मित्र' के हिन्दी सेक्शन के संपादक के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। पिछले तीन साल से सेक्रेटरी जीएमएस की जिम्मेदारी भी पूरी निष्ठा से निभा रहे हैं। अच्छे वक्ता, अव्वल साहित्यकार, मधुर पर धीमी वाणी से सबको आकर्षित करने वाले श्री अशोक लव जी से मेरा जुड़ाव लगभग 15 वर्षों से भी ज्यादा का है। मंच के मास्टर तो वे हैं ही।

श्रीमती सुनीता मेहता जी एवं श्री योगेश मेहता जी, (सेक्रेटरी स्त्री विंग एवं सेक्रेटरी यूथ एवं कल्चर, जीएमएस) हमेशा जोश एवं ऊर्जा से भरे रहते हैं। जी.एम.एस. द्वारा दी गई जिम्मेदारियों को जिस तरह ये निभाते हैं वह पूरी मोहयाल बिरादरी के युवाओं को आकर्षित तो करती ही है साथ साथ कुछ करने की सीख भी दे जाती हैं। श्री योगेश मेहता जी किसी भी कार्यक्रम में जोश भरने की कला में बड़े माहिर हैं।

सभी उपस्थिति अतिथिगणों ने जी.एमएस का और ज्यादा मजबूत एवं आपस में मिलकर इसे और ज्यादा ऊँचाईयों तक ले जाने पर बल दिया।

सभा के प्रधान श्री सुनील दत्त जी ने श्री बी.डी. बाली साहब को स्मृति चिन्ह् भेंट करते हुए अनुरोध किया कि आयोजन में आए सभी अतिथि जनों को वे अपने हाथों से स्मृति चिन्ह भेंट करें। सभा उत्तम नगर के लिए ये सबसे बड़ा आशीर्वाद रहा। उत्तम नगर सभा की नई टीम

 For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

का पहला बड़ा आयोजन आदरणीय बाली साहब एवं उनकी टीम के आशीर्वाद से और मोहयाल सभा फरीदाबाद, रोहणी पीतमपुरा, यमुनापार के प्यार से महक उठा।

सांस्कृतिक कार्यक्रमः बच्चों द्वारा पेश किए गीतों एवं नृत्य ने और युवाओं द्वारा पेश किए जबरदस्त डांस परफारमेंस ने आयोजन में उपस्थित सभी मोहयालों को झूमने पर मजबूर कर दिया। जिस पर खुश होकर श्री पी.के. दत्ता जी ने डाँस टीम को 1100 रु. का इनाम दिया। कुशल मंच संचालन के लिए कु. नेन्सी दत्ता को सभा की तरफ से स्मृति चिन्ह् एवं श्री पी.के. दत्ता जी ओर से 1000 रु. भेंट किए गए।

शुभकामनाएँः श्री जी.एल. दत्ता 'जोश' साहब, श्री बी.एल. छिब्बर, श्री दलीप सिंह दत्ता जी ने सभा को शुभकामनाएँ भेजी।

भेंटः जी.एम.एस. की तरफ से 10000 रु. का शगुन, श्री रमेश दत्ता (प्रधान मोहयाल सभा फरीदाबाद) 11000 रु., श्री पी.के. दत्ता–5100 रु., श्रीमती सुनीता मेहता–1100 रु., श्री योगेश मेहता (रोहणी पीतमपुरा) 1000 रु., श्री ओ.पी. मोहन–1000 रु., श्री के.एन. मोहन–500 रु., श्री राजीव बाली–1100 रु., श्री देसराज राघव जी (पार्षद)–5100 रु., श्री सुभाष मग्गो जी (चेयरमेन माता रूप रानी मग्गो हॉस्पीटल)–5000 रु. श्री कृष्ण गोपाल जी–100 रु., श्री कमल सिंह कप्रवाण जी–1100 रु. और श्री मनीष मेहता –500 रु. भेंट किए।

गुप्त भेंटः मोहयाल सभा उत्तमनगर हार्दिक धन्यवाद करती है उस समर्पित मोहयाल का जिन्होंने नाम न बताने के अनुरोध के साथ सभा को 10000 रुपए भेंट कर आशीर्वाद दिया।

रजिस्ट्रेशन कांउटर कु. महिमा बक्षी, कु. स्नेहा दत्त, कुमारी स्वाती बक्शी एवं श्रीमती श्वेता वैद ने बखूबी संभाला।

श्री हरिओम मेहता जी, एवं श्री कमल सिंह कप्रवाण के इस आयोजन में अतुलनीय सहयोग के लिए धन्यवाद दिया गया। मंच पर श्री योगेश मेहता के स्नेह भरे सहयोग के लिए सभा द्वारा उनका आभार प्रकट करने के साथ उपस्थित सभी अतिथिगण को लंच के लिए आमंत्रित करते हुए आयोजन सफलता पूवर्क समाप्त हुआ।

***सुनील दत्त** (प्रधान)*
मो. 9311468836

***संजय बक्षी** (महासचिव)*
मो. 9811008335

देहरादून

दिनांकः 6 अक्तूबर 2013
स्थलः मोहयाल भवन देहरादून
उपस्थितिः 22

स्वागतः कनाडा से पधारे मेजर एस.के. दत्ता का सभा की ओर से पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। मेजर एस.के. दत्ता ने कनाडा मोहयाल सभा की गतिविधियों से अवगत कराया और अपने अनुभवों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि मोहयाल सभा देहरादून में आकर खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ।

सभी मोहयाल बन्धुओं ने मिलकर 'मोहयाल प्रार्थना' की।

परिचयः पूर्व सचिव श्री लालप्रवेश मेहता जी ने नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएँ दीं और साथ ही प्रधान श्री राजेश मोहन, सचिव यशवंत दत्ता उपप्रधान, श्री प्रमोद मेहता एवं कोषाध्यक्ष श्री मनमोहन मेहता का सभी से परिचय कराया।

सभा को भेंटः श्री कमल रत्न वैद ने अपने दामाद मनु दत्ता (11 अक्तूबर) व पुत्री प्रिया दत्ता (21 अक्तूबर) के जन्म–दिन पर एमएस देहरादून को 1100 रु. प्रदान किए।

धन्यवादः यशवंत दत्ता ने पूर्व प्रधान श्री राजीव दत्ता, सचिव श्री लालप्रवेश मेहता कोषाध्यक्ष श्री प्रमोद मेहता व उनकी समस्त कार्यकारिणी द्वारा किए गए कार्यों से सबको अवगत कराया व उनके कार्यों की सराहना की व भविष्य में मार्गदर्शन का आग्रह किया।

दी माइटी मोहयाल फेस्ट 2013ः मुख्य सचिव यशवंत दत्ता ने बताया कि आगामी 20 अक्तूबर को होने वाले कार्यक्रम के लिए रेस कोर्स देहरादून स्थित स्थान अमरीक होल को निश्चित किया गया है और कहा कि कार्यक्रम कि कार्यक्रम की तैयारी चल रही है। गत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी मोहयाल सभा देहरादून उत्तराखंड के श्रेष्ठतम मोहयाल, जिन्होंने समाज के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है, उन्हें उत्तराखंड 'मोहयाल प्राइड सम्मान' से सम्मानित किया जाएगा। मोहयाल सभा देहरादून की वार्षिक स्मारिका का विमोचन भी 20 अक्टूबर को ही किया जाएगा। उन्होंने अनुरोध किया कि जो भी अपनी रचना या लेख देना चाहें दे सकते हों।

कमेटी का गठनः सभा के दौरान कार्यक्रम से संबंधित विभिन्न समितियों का गठन किया गया जो इस प्रकार है–

1. श्री एन.के. दत्ता, अध्यक्षत स्वागत समिति
2. श्री भूपेंद्र दत्ता, अध्यक्षत प्रबंधन समिति
3. श्री लाल प्रवेश मेहता, कार्यक्रम संचालन
4. श्रीमती इंदु बाली दत्ता, कार्यक्रम संचालन

कार्यक्रम में 'मोहयाल सभा देहरादून महिला इकाई' की अध्यक्षता श्रीमती ललिता दत्ता ने भी भाग लिया एवं इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए हर संभव सहयोग का अश्वासन दिया।

मोहयाल सभा देहरादून की शानदार प्रस्तुति

मोहयाल सभा देहरादून द्वारा 20 अक्तूबर को 'दी माईटी मोहयाल फ़ेस्ट–2013' का भव्य आयोजन किया गया। उत्तराखंड में आई महा प्रलय में जिनका निधन हो गया उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इसके

पश्चात गण–वंदना तथा उत्तराखंड के लोक नृत्य प्रस्तुत किए गए। समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले मोहयालों को

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

सम्मानित किया गया। श्री योगेश मेहता को 'युवा तर्क' सम्मान से अलंकृत किया गया समाज सेवा के लिए श्री एन.के. दत्ता, शिक्षा के

गढवाली लोक-नृत्य

क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए श्रीमती सरिता मेहता, वैज्ञानिक श्री एस.के. छिब्बर, चिकित्सा–क्षेत्र के लिए डॉ. कुलदीप दत्ता और महिला मोहयाल की संस्थापक श्रीमती राजरानी बाली को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर श्री प्रमोद दत्ता ने स्मारिका का लोकार्पण किया। श्री अशोक लव ने 'दी माईटी मोहयाल्ज़' डाक्यूमेंटरी की सी.डी. का लोकार्पण किया। समारोह के मुख्य–अतिथि मेहता ओ.पी. मोहन थे। सर्वश्री प्रमोद कुमार दत्ता, डी.वी. मोहन, डॉ. अशोक लव, एस.के. छिब्बर, योगेश मेहता, श्रीमती सुनीता मेहता और श्रीमती कृष्णलता छिब्बर विशिष्ट–अतिथि थे। कार्यक्रम की सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि मोहयालों से संबंधित डाक्यूमेंटरी थी। श्री यशवंत दत्ता और श्री राजेश मोहन के साथ पूरी टीम के समर्पित भाव से कार्य करने से समारोह की सबने जी खोलकर प्रशंसा की। श्रीमती इंदु बाली दत्ता और श्री लालप्रवेश मेहता ने समारोह का संचालन किया।
(विस्तृत रिपोर्ट तथा फोटोग्राफ़ दिसंबर अंक में)।

होशयारपुर

मोहयाल सभा होशयारपुर की एक बैठक प्रधान श्री श्याम सुन्दर दत्ता जी की अध्यक्षता में मोहयाल भवन ऊना रोड न्यू बैंक कलोनी में दिनांक 6.10.2013 को हुई। सबसे पहले गायत्री मंत्र का पाँच बार उच्चारण किया गया। सबसे पहले शशपिन्द्र कुमार बाली जी के ए. एस.आई. बनने पर सभी ने उन्हें बधाई दी। सुभाष चन्द्र दत्ता की पावर ग्रिड डिर्पाटमेंट अमृतसर से सेवा निवृत्त होने के पश्चात न्यू बैंक कलोनी में आकर रहने पर सभी ने उनका स्वागत किया।

प्रधान श्याम सुन्दर दत्ता जी को बी.जे.पी. एजूकेशन सेल पंजाब के स्टेट कनवेनर बनाए जाने पर सभी ने उन्हें बधाई दी। प्रधान जी को उनकी धर्मपत्नी श्रीमती चन्द्रकान्ता दत्ता को जिला परिषद होशयारपुर की वाइस चेयर पर्सन बनाए जाने पर सभी ने उन्हें बधाई दी। एन.आर. आई. सेल के प्रधान श्री जगदीश लाल मेहता ने कोषाध्यक्ष श्री पवन मेहता के न आने पर प्रधान को आगामी मीटिंग में पुराने हिसाब की आय–व्यय रिपोर्ट लाने को कहा, हम अवसर पर मनोज दत्ता, सुभाष चन्द्र दत्ता, बरिन्द्र दत्त वैद, दिनेश दत्ता, शशपिन्द्र बाली, अश्विनी दत्ता, श्री जगदीश लाल मेहता तथा प्रधान श्याम सुन्दर दत्ता उपस्थित थे।

–मनोज दत्ता, *ज्वाइंट सेक्रेटरी*

मोहयाल सभा फरीदाबाद का मोहयाल मिलन

मुख्य–अतिथि : मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली
(अध्यक्ष, जनरल मोहयाल सभा)

- फरीदाबाद के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान
- फरीदाबाद के प्रत्येक मोहयाल परिवार के एक सदस्य का सम्मान

सांस्कृतिक कार्यक्रम

दिनांक : 24 नवंबर 2013

स्थान : म्युनिसिपल ऑडिटोरियम, निकट दशहरा ग्राउंड, नीलम चौक से आगे, एन.आई.टी. फरीदाबाद

अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर मोहयाल–एकता को दर्शाएँ। जानकारी के लिए संपर्क करें:

प्रधानः रमेश दत्ता, *मो. 9999078425*
वरिष्ठ उपप्रधानः सुरजीत मेहता (लौ), *मो. 9818107737*
जनरल सेक्रेटरीः के.एस. बाली, *मो. 8999068573*

फरीदाबाद

फरीदाबाद मोहयाल सभा की मासिक बैठक 6 अक्तूबर 2013 को श्री रमेश दत्ता की अध्यक्षता में हुई, जिसमें 32 भाई–बहनों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना के बाद–

शोकः प्रधान श्री रमेश दत्ता ने बताया कि जनरल सेक्रेटरी के.एस. बाली के साले श्री मदनलाल दत्ता का निधन हो गया है। इस पर सब सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखा।

भजन कीर्तनः श्रीमती गायत्री छिब्बर, निशा दत्ता व सुगन्धा दत्ता ने माँ वैष्णो देवी की भेंट सुनाई, सभी बहन–भाइयों ने उनका साथ दिया। तीन बच्चों ने कविताएँ सुनाई, तालियाँ बजाकर सबने उनका हौसला बढ़ाया व प्रधान श्री रमेश दत्ता जी ने बच्चों को सौ रु. ईनाम के रूप में दिए।

मिथलेश दत्ता ने निम्न राशि एकत्रित की– आर.सी. दत्ता ने 500 रु. विधवा फंड व जगमोहन छिब्बर ने 150 रु. मोहयाल सभा को दिए।

प्रधान रमेश दत्ता ने बताया कि संतोष मेहता व सुरजीत मेहता ने अपनी दोहती वैभवी छिब्बर व गुनीत मेहता (लौ) के जन्मदिन के उपलक्ष्य में आज के भोजन का प्रबंध किया। सभी बहन–भाइयों ने जन्म–दिन बड़ी धूम–धाम से मनाया व बच्चियों की दीर्घायु की कामना की।

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

प्रधान रमेश दत्ता ने बताया कि अगली मीटिंग 3 नवंबर को न होकर 24 नवंबर को मोहयाल मेले के रूप में म्युनिसिपल ऑडिटोरियम मे धूमधाम से मनाया जाएगा। रायज़ादा बी.डी. बाली जी ने मुख्य–अतिथि के रूप हमारा अनुरोध स्वीकार किया है। हम उनके तहदिल से अभारी हैं। इस अवसर पर फरीदाबाद के प्रतिभाशाली बच्चों को सम्मानित किया जाएगा व हर मोहयाल परिवार के एक सदस्य को बी.डी. बाली जी द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

अधिक जानकारी के लिए निम्न पदाधिकारियों से संपर्क करें:–

रमेश दत्ता, *प्रधान* — ***के.एस. बाली,*** *जनरल सेक्रेटरी*
मो. 9999078425 — *मो. 8999068573*

अंबाला कैंट

दिनांकः 6.10.2013
स्थानः 46 दिनेश नगर
अध्यक्षताः सूबे. मेजर आर.के.सी. दत्ता

मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण के बाद महासचिव ने पिछली मासिक मीटिंग की कार्यवाही पढ़कर सुनाई तथा सर्वसम्मति से अनुमोदन हुआ।

श्री आई.आर. छिब्बर व कै. पी.आर. वैद के अस्वस्थ होने के कारण अनुपस्थित रहे। उनके जल्दी स्वस्थ होने की कामना की गई।

सभा में उपस्थित सदस्यों ने चर्चा के बाद प्रस्ताव पास किया कि सभा में धन की कमी व संसाधनों की कमी को देखते हुए लोकल सभा द्वारा विधवाओं को दी जाने वाली 250 रु. प्रतिमाह राशि बंद कर दी जाए, जब कमाई का साधन होगा तो दोबारा शुरू कर दिए जाएगा।

सेक्रेटरी फाइनेंस को सुझाव दिया गया कि इनकम–खर्च का ब्यौरा हर महिने अपडेट होना चाहिए तथा अगली मासिक मीटिंग 9.11.13 को पिछला पूरा हिसाब का ब्यौरा सदन में प्रस्तुत करें।

एच.एफ.ओ. एम.एल. दत्ता जी ने प्रधान कै. पी.आर. वैद द्वारा उनके पोते जयंत वैद का 24.09.2013 जन्म–दिन मनाने के अवसर पर लोकल सभा को 201 रु. तथा जी.एम.एस. को 151 रु. की धनराशि दी गई। सदस्यों ने वैद परिवार को बधाई दी तथा जयंत वैद की दीर्घायु की कामना की।

अगली मासिक मीटिंग 9.11.2013 को सुभाष पार्क में होगी। प्रधान जी ने मेहता परिवार को आवभगत के लिए धन्यवाद करते हुए बैठक की समाप्ति की।

सू.मे. आर.के.सी. दत्ता *उपप्रधान* — ***एम.एल. दत्त,*** *जन. सेक्रेटरी*
मो. 9729035429 — *मो. 98961028*

अबोहर–पंजाब

मोहयाल सभा अबोर की मासिक बैठक दिनांक 11.08.2013 को गाँव भंगर खेड़ा में श्री रविन्द्र कुमार भीमवाल के निवास स्थान पर मेहता श्री कृष्ण कुमार भीमवाल की अध्यक्षता में हुई।

मोहयाल प्रार्थना व गायत्री वंदना के पश्चात मिस भानू प्रिय दत्ता सुपुत्री श्रीमती एवं श्री शाम दत्ता का निधन दिनांक 06.07.2013 को जैतसर (राजस्थान) में आकस्मित बिजली गिरने से हुआ। मिस भानू प्रिया दत्ता के निधन पर दो मिनट का मौन रखा गया।

श्री जैतेन्द्र कुमार भीमवाल को उनके जन्मोत्स्व पर बधाई दी गई तथा उनकी लंबी आयु की कामना की गई।

श्री विनोद कुमार भीमवाल ने बतलाया कि 06.08.2013 को हमारी सभा के प्रधान श्री विश्वामित्र भीमवाल के पास श्री त्रिभुवन बाली जी का फोन नारायण गढ़ (हरियाणा) से अहमदाबाद (गुजरात) में आया वो अपने बेटे श्री नीरज भीमवाल के पास अहमदाबाद में थे। उन्होंने बताया कि श्री एस.के. बक्शी छिब्बर की रस्म पगड़ी 08.08.2013 को सूरतगढ़ (राजस्थान) में है। तो हम लोग मोहयाल सभा अबोर से सर्वश्री मेहता कृष्ण कुमार भीमवाल, बलदेव राज बाली, विनोद कुमार भीमवाल इत्यादि रस्म पगड़ी में पहुँचे। वहाँ अनेक नए मोहयाल परिवारों से मिलने का मौका मिला। वहीं हमने मुम्बई से आए हुए फिल्मी कलाकार श्री अशोक वैद जी (जुगनु जी) स्व. श्री एस.के. बक्शी के रीयल कजन हैं। हमने श्री अशोक वैद को भी जीएमएस दिल्ली का आजीवन सदस्य बनाया।

स्व. श्री एस.के. बक्शी के सुपुत्र श्री बसंत बक्शी जी ने जीएमएस को 250 रु. भेंट किए तथा 250 रु. मो.स. अबोहर को भी भेंट किए।

अन्त में शांति पाठ के साथ सभा समाप्त हुई। सभा आयोजन व जलपान के लिए श्रीमती उमा भीमवाल (श्री रविन्द्र कुमार भीमवाल, श्री नरेनद्र कुमार भीमवाल, श्री देवेन्द्र कुमार भीमवाल जी व श्री जैतेन्द्र कुमार के माता जी) तथा सभी भीमवाल परिवार की सभी बहुओं का धन्यवाद किया गया।

■ मोहयाल सभा अबोहर की मासिक बैठक 08.09.2013 को श्री मेहता विनोद कुमार भीमवाल की अध्यक्षता में श्री मैहता कृष्ण कुमार भीमवाल के निवास स्थान भंगर खेड़ा में हुई। मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्र के पश्चात मीटिंग में सदस्यों ने सर्वसम्मिति से जीएमएस को यह प्रार्थना की गई कि हमें अनेक मोहयाल परिवारों के फोन आ रहे हैं कि उनके जठेरों तथा कुल देवियों के बारे में बताएं। अतः जिन–जिन के बारे में वहाँ इतिहास दर्ज हैं वो मोहयाल मित्र में प्रकाशित किए जाएं।

मास्टर राहुल भीमवाल का इंजीनियरिंग कॉलेज श्री गंगानगर में दाखिला होने पर तथा कुमारी कंचन भीमवाल का गोपी चन्द कालेज अबोहर में दाखिला होने पर बधाई दी गई। सभी ने आने वाले समय में आस पास के क्षेत्रों में जाकर नये मोहयाल सदस्य जोड़ने की बात कही।

अंत में शांति पाठ के साथ सभा सम्पन्न हुई। आयोजन व जलपान के लिए मेहता श्री कृष्ण कुमार भीमवाल जी व श्रीमती प्रवीण भीमवाल एवं सभी भीमवाल परिवार की बहुओं का धन्यवाद किया।

मैहता विश्वामित्र भीमवाल, *प्रधान*
मो. 9780160085

स्त्री सभा युमनानगर

स्त्री सभा यमुनानगर की मासिक मीटिंग 01.09.2013 को श्रीमती सुनीता दत्ता जी के निवास स्थान पर हुई, मीटिंग की शुरूआत गायत्री मंत्र के साथ शुरू हुई, सभा में सभी बहनों ने भाग लिया।

सभा में स्थापना दिवस मनाने पर विचार किया गया। सभी बहनों ने

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

श्री बी.डी. बाली के जन्मदिन पर बधाई दी और उनकी दीर्घायु की मंगलकामना की भगवान करे वो ऐसे ही मोहयाल बिरादरी के लिए कार्य करते रहे।

श्रीमती सुनीता दत्ता, श्रीमती निशा मोहन, श्रीमती सुरक्षा मेहता और श्रीमती बाला मेहता ने अपने विचार रखे। शांति पाठ के साथ सभा की समाप्ति हुई।

*-**श्रीमती परवीन बाली,** सचिव*
फोनः 0173–226799

सिरसा

मोहयाल सभा सिरसा की बैठक 28.08.2013 को महेश कुमार दत्ता के निवास स्थान पर हुई। यह सभा प्रधान श्री मदनलाल दत्त की अध्यक्षता में हुई, बैठक में 15 मोहयाल भाई बहनों ने भाग लिया। काफी मोहयालों की संख्या होने के बावजूद कम संख्या होने के कारण चिंता व्यक्त की गई।

बैठक में श्री रवि कुमार दत्ता जो रमेश चन्द्र दत्ता पूर्व मैनेजर सिरसा सेन्ट्रल बैंक ने मोहयाल बिरादरी के बारे में अपने विचार प्रकट किए, जिसे सुनकर सभी भाइ बहनों ने उनका धन्यवाद किया। श्री रमेश कुमार छिब्बर, सेक्रेटरी मोहयाल सभा सिरसा की प्रमोशन इंस्पेक्टर हरियाणा रोडवेज सिरसा होने के कारणा उन्हें चंडीगढ़ जाना पड़ा, जिससे उनकी गैरहाजिरी खलती रही।

श्री मदनलाल दत्ता ने अपने सभी भाई–बहनों से अपील की कि वे सब अपने नजदीकी रहने वालों को साथ लेकर आऐं।

अंत में सभी ने महेश दत्ता जी के जलपान का धन्यवाद किया।

***मदनलाल दत्ता,** प्रधान*
मो. 8570994004

कुरूक्षेत्र

मोहयाल सभा कुरूक्षेत्रा की मासिक बैठक 01.09.2013 को प्रधान श्री के कार्यस्थल पर हुई। मोहयाल प्रार्थना के साथ सभा आरम्भ हुई।

शोक समाचारः श्रीमती सुदेश बाली धर्मपत्नी कान्ह सिंह बाली के निधन पर दो मिनट का मौन रख गया।

पिछले मीटिंग की कारवाई पढ़कर सुनाई गई तथा सभी ने इसका अनुमोदन किया। मोहयाल भवन के स्थान के बारे में हरियाणा सरकार डिपलपमेंट बोर्ड कुरूक्षेत्र को दोबारा पत्र भेजने पर विचार हुआ। मोहयाल भाई बहनों को जीएमएस को आजीवन सदस्य बनाने के लिए प्रेरित किया गया।

श्रीमती रमा वैद धर्मपत्नी एन.एन. वैद ने मोहयाल सभा कुरूक्षेत्र को श्रीमती सुदेश बाली की याद में 2100 रु. भेंट किए।

गायत्री मंत्र के साथ सभा का समापन हुआ।

*-**सन्तोष वैद,** प्रधान (मो. 9813790076)*

यमुनापार (दिल्ली)

दिनांकः 29.09.2013, स्थानः मोहयाल भवन झील कुरुंजा,
अध्यक्षताः श्री विनोद छिब्बर, उपस्थितः 30

सभा की शुरूआत मोहयाल प्रार्थना से हुई। तदुपरांत सेक्र्ररी श्री विनोद बाली जी की अनुपस्थिति में उपप्रधान संजीव बाली ने पिछले महीने की गतिविधियों के बारे में सभा को अवगत कराया। कैशियर श्री अनिल वैद ने लेखा–जोखा पढ़कर सुनाया जिसे सभा ने पारित किया। प्रधान जी ने एम.के. वैद जी के सुझावों के बारे में बताया। यमुनापार मोहयाल–दिवस मनाए जाने का सुझाव सभी को पंसद आया।

श्री कुलभूषण छिब्ब जी ने भवन की बुकिंग और रखरखाव पर मीटिंग में जानकारी दी। श्री आर.के. वैद जी ने सदस्य–संख्या बढ़ाने पर ज़ोर दिया। श्रीमती सुनीता छिब्बर को जनरल मोहयाल सभा की ओर से ऋण दिए जाने पर सभी ने जीएमएस की भूरि–भूरि प्रशंसा की।

श्री सी.पी. दत्ता जी ने सदस्यों को एक सुन्दर कविता पढ़ कर सुनाई। सुनीता वैद 251, आर.के. वैद 251 रु., उर्मिला बक्शी (धर्मपत्नी श्री हरदेव सिंह लौ) 500 रु., दुर्गा बेकरी 700 रु., वी.एस. लौ 1000 रु. एवम् विनोद छिब्बर 700 रु., प्रमुख दानकर्त्ता थे।

ज्ञात हो कि श्री राजेश दत्ता सुपुत्र श्री दलीप सिंह दत्ता जी पूरे वर्ष की विधवा अनुदान राशि एक मुश्त देते हैं। सभी दानकर्ताओं का धन्यवाद।

मीटिंग के अंत में सदस्यों का जन्मदिन और वैवाहिक–सालगिरह की खुशी में केक काटा गया। श्री मोती सागर जी, सर्वश्री वी.एस. लौ, मास्टर चेतन वैद, श्री देवेन्द्र वैद, धनेश दत्ता, एस.एस. मोहन और आलोक बाली को इस अवसर पर शुभकामनाएँ दी गईं।

*-**संजीव बाली (बंटी बाली),** उपप्रधान*
मो. 9811758418

मोहयाल सभा बंगलुरु का शुभारंभ

वरिष्ठ मोहयाल श्री ए.एन. दत्ता जबसे बंगलुरु में रहने लगे हैं, उनकी हार्दिक इच्छा थी कि वहाँ मोहयाल सभा बनाई जाए। पिछले तीन वर्षों में उन्होंने बहुत कोशिश की। अंत में इसके सुपरिणाम सामने आए। मेजर जनरल एस.के. बाली के बंगलुरु आने के पश्चात श्री ए. एन. दत्ता उनसे मिले। मेजर जनरल बाली की प्रेरणा से सभा का गठन हो गया। इसकी मीटिंग हुई। (देखें मोहयाल मित्र अक्तूबर, 2013 पृष्ठ 9–10) दक्षिण भारत में मोहयाली ध्वज फहराने के लिए बंगलुरु के समस्त मोहयालों को बधाई। वहाँ रहने वाले मोहयाल श्री ए.एन. दत्ता से इन नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं–9839825243 और 8088552680

जगाधरी वर्कशाप

सभा की मासिक बैठक 6 अक्तूबर 2013 को जंजघर माडर्न कालोनी आई.टी.आई. में सभा के प्रधान श्री सतपाल दत्ता जी की अध्यक्षता में हुई।

शोक समाचारः 1. मोहयाल सभा जगाधरी वर्कशाप के प्रमुख सलाहकार श्री हरबन्स लाल जी लौ का निधन पर दो मिनट का मौन रख कर उन्हें श्रद्धा–सुमन अर्पित किए। श्री हरबंसलाल जी बहुत की कर्मठ एवं मृदु थे। श्री हरबंसलाल जी लौ, सभा के महासचिव श्री दिलबाग राय जी के बड़े भाई थे।

2. सभा श्री सतपाल दत्ता सुपुत्र श्री बलराम दत्ता सरोजनी कालोनी निवासी यमुना नगर के निधन पर दुख प्रकट करती है। श्री दत्ता जी सभा के उपप्रधान श्री हरबन्सलाल के छोटे भाई थे। इस अवसर पर

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

सभा को 100 रु. भेंट किए गए।

सभी सदस्यों ने सभा की सदस्यता बढ़ाने पर ज़ोर दिया। सभा के प्रधान ने सभा को अवगत किया कि सभा की सदस्यता (एक परिवार एक सदस्य) के आधार पर 65 हैं हमारा लक्ष्य अगले माह तक 100 का है।

सभा के उपप्रधान श्री नरेश मेहता एवं उनकी धर्मपत्नी शशी मेहता जी की शादी की वर्षगांठ पर एवं उनके पिता जी श्री मंगतराम जी लौ एवं उनके भतीजे रोहन मेहता जन्म–दिवस दिनांक 20 अक्तूबर एवं 7 सितंबर, के अवसर पर जी.एम.एस. विधवा फंड को 251 रु. एवं जगाधरी वर्कशाप को 251 रु. दान दिए।

सभा ने यह निर्णय लिया है कि मोहयाल सभा की बैठक अब घर–घर में की जाएगी। इस संदर्भ में 10 नवंबर रविवार की बैठक श्री रोहित दत्ता सुपुत्र स्व. श्री मोहन्दर दत्ता जी के निवास स्थान छछरोली में होगी। दिसंबर माह की बैठक श्री अशोक वैद जी के घर होगी।

*–**सतपाल दत्ता** (प्रधान),*
फोन: 01732–258426

श्री विक्रम मेहता एवं मिनी मेहता को कन्या रत्न की प्राप्ति

राउरकेला (उड़ीसा) निवासी श्री अशोक मेहता एवं अम्पी मेहता, अपने सुपुत्र श्री विक्रम मेहता (पौत्र स्व. मेहता प्राण नाथ एवं सुशीला देवी पड़पौत्र स्व. मेहता भगतराम एवं स्व. शांति देवी, निवासी चकवाल जिला झेलम वर्तमान पाकिस्तान (दोहत्रा श्री रघुबीर दत्त एवं दमयंती दत्त) एवं अपनी पुत्रवधू श्रीमती मिनी मेहता (सुपुत्री श्री नरेंदर मोहन दत्ता एवं विजय बाली दत्ता) को दिनांक 3 अगस्त 2013 को मोंट्रियल (कनाडा) में कन्या के जन्म होने चालीस दिनों के उपरांत मोंट्रियल में ही दक्षिण भारतीय शैली में बने मंदिर में वैदिक रीति से की गई पूजा अर्चना के उपलक्ष्य में 251 रु. जीएमएस के शिक्षाफंड में भेंट किए।

मोहयाल मित्र द्वारा मित्र संदेश

मोहयाल मित्र मासिक पत्रिका मित्रता का संदेश देती है। पहले मोहयाल मित्र उर्दू लिपि में प्रकाशित होता था। मित्र शब्द का उर्दू पर्यायवाची दोस्त है। दोस्त शब्द उर्दू लिपि के चार अक्षरों से बनता है द, व, स तथा त। 'द' का अर्थ दयानतदार, 'व' का वफादार, 'स' का सच्चा, 'त' का ताबेदार। दोस्ती तभी निभ सकती है जब इन गुणों का मित्रों में समावेश हो। मित्र वही सच्चा मित्र है जो इनका हृदय से पालन करे। मित्र अलग–अलग स्वभाव के तथा व्यवसाय के हो सकते हैं परन्तु उनका एक दूसरे के प्रति निष्ठ होनी चाहिए।

मोहयालों में मित्रता के सभी गुण पाए जाते हैं। इनके अनेक उदाहरण हैं जैसे पोरस तथा सिकंदर, पैगाम्बर मुहम्मद तथा मोहयाल, सिख गुरू तथा मोहयाल।

मोहयालों में दानवीरता, शूरवीरता तथा परोपकारिता को भावनाएँ भी कूट–कूट कर भरी हुई थीं। इनका वर्णन पनियाड की घटना, धार्मिक संघर्षों में मोहयाल वीरों का बलिदान आदि।

सेनाओं में मोहयालों के वीरता के जौहर दिखाने पर जागीरें मिलता। ईमानदारी तथा वीरता के कारण दीवान, बक्शी, रायज़ादा आदि उपाधियाँ मिलना स्पष्ट उदाहरण हैं।

जनरल मोहयाल सभा दिल्ली तथा अन्य मोहयाल ईकाईयाँ मित्रता का प्रसार करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं तथा बधाई की पात्र हैं। आधुनिक युग में जब कि एकल परिवारों की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ रही है। मित्रता को सुदृढ़ करने की आवश्यकता है ताकि मोहयाल भाई–बहन एकजुट रह सके। एक दूसरे का सहयोग करें। नई पीढ़ी को सुसंस्कार देकर परोपकारी बनाने का प्रयास कर ताकि मोहयाली आन, बान तथा शान बनी रहे।

*–**रामलुभाया दत्ता,** सेवानिवृत्त मुख्याध्यापक*
गाँव तथा डाकखाना तालिबपु पंडोरी, जिला गुरदासपुर (पंजाब)
मो. 9646743824

केंद्रीय मंत्री फ़ारुक अब्दुला का स्वागत

जनाब फ़ारुख अब्दुला ने पून्छ–मेंढर का दौरा किया। उन्होंने आगमन पर वरिष्ठ मोहयाल गुरु भाई वेद व्यास दत्ता ने उन्हें क्षेत्र की समस्याओं के बारे में बताया।

1. मेंढर में रह रहे आठ हज़ार हिंदुओं की सुरक्षा का इंतजाम किया जाए।

2. मेंढर के हनुमान मंदिर में यात्री–भवन नहीं है। इससे बहुत परेशानी होती है। इसे बनवाया जाए।

3. मंदिर के पास बढ़ रही नदी से मंदिर की ज़मीन को नुकसान पहुँचा है उसे बनवाया जाए।

यहाँ के एम.एल.सी. जनाब जावेद अहमद राणा के भाषण पर विचार रखे गए।

इन सब समस्याओं को सुनकर जनाब फ़ारुक अब्दुला जी ने मेंढर के मंदिर में यात्री–हाल बनाने के लिए बीस लाख रुपए देने का ऐलान

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

किया और नींव का पत्थर रखा। इसका प्रस्ताव एम.एल.सी. जनाब जावेद अहमद राणा ने किया था।

जनाब फ़ारुक अब्दुला ने मंदिर के पास उसकी सुरक्षा के लिए बाँध बनाने की घोषणा की जिस पर साठ लाख की लागत आएगी। इस पर काम शुरू किया गया है।

उन्होंने सबको आश्वासन दिया कि उन सबकी हर तरह से सुरक्षा की जाएगी। सबने भारत माता की जय के साथ उनकी घोषणाओं और कार्यों की प्रशंसा की।

जनाब फ़ारुक अब्दुला और जनाब जावेद अहमद राणा ने सबके साथ मिलकर चाय पी। महोदय को भजन सुनकर सब मुग्ध हो गए।

*–**विनोद कुमार वैद** (सचिव) मोहयाल सभा मेंढर पूंछ (जम्मू–कश्मीर)*

आकस्मिक निधन

मिस भानू प्रिया सुपुत्री श्री शाम दत्ता एवं पौत्री श्री चन्द्र प्रकाश

दत्ता जी का निधन दिनांक 6 जुलाई 2013 को आकस्मिक बिजली के गिरने से हुआ। उमर सिर्फ 13 वर्ष थी। मिस भानू प्रिय पढ़ाई में अच्छे अंक लेकर उत्तीर्ण होती थी तथा बाकी सब काम भी दिल से व लगन से करती थी। मिस भानू प्रिया के पिता श्री शाम दत्ता जी जैतसर राजस्थान के निवासी हैं। मिस भानू प्रिया दत्ता का जन्म 12.08.2000 को हुआ था।

*–**मेहता विश्वामित्र भीमवाल,** प्रधान एमएस अबोहर (पंजाब)*

श्री एस.के. बक्शी (छिब्बर) जी का निधन

श्री एस.के. बक्शी जी सुपुत्र श्री मुन्नी लाल बक्शी जी छिब्बर (भल्ला करियाला, जि. जेहलम (प. पाकिस्तान) का निधन दिनांक 29.07.13 को हुआ, तथा रस्म पगड़ी दिनांक 08.08.2013 को सूरत गढ़, राजस्थान में हुई। रस्म पगड़ी पर मोहयाल परिवारों मित्रगण व गणमान्य व्यक्तियों ने हिस्सा लिया। मुम्बई से श्री एस बक्शी जी के रीयल कजन श्री अशोक वैद (जुगनु) फिल्मी कलाकार जी भी आए थे।

स्वर्गीय श्री एस.के. बक्शी जी ने अपने नेत्र भी दान किए। श्री एस. के. बक्शी जी की धर्मपत्नी जी का स्वर्गवास कुछ वर्ष पहले हुआ था। श्री एस.के. बक्शी जी अपने पीछे एक पुत्र श्री बसंत बक्शी एवं पुत्र वधु तथा सुपुत्रियाँ श्रीमती रितु दत्ता जी व श्रीमती रुबी चोपड़ा छोड़ गए हैं।

श्री एस.के. बक्शी जी के सुपुत्र श्री बसंत बक्शी जी ने जीएमएस को दो सौ पचास रुपए तथा 250 रु. मोहयाल सभा अबोहर को भी भेंट किये।*–**मेहता विश्वामित्र भीमवाल,** प्रधान एमएस अबोहर (पंजाब)*

पुण्य-तिथि पर श्रद्धासुमन

श्रीमती शकुंतला बक्शी धर्मपत्नी बक्शी वीरेन्द्र वैद को पुण्य–तिथि पर

श्रद्धासुमन अर्पित करने के लिए दो अक्तूबर 2013 को निवास स्थान पर पूजा का आयोजन किया गया।

श्रीमती शकुंतला बक्शी धार्मिक विचारों की प्रतिमूर्ति थीं। सुबह–शाम पूजा करना उनकी दैनिक दिनचर्या में शामिल था। परिवार के समस्त सदस्य परमपिता परमात्मा से बारम्बार प्रार्थना करते हैं कि वह इन्हें अपने श्रीचरणों में बैठाए रखे– जय श्री राम इस अवसर पर बड़े पुत्र श्री प्रह्लाद बक्शी मोहयाल मित्र के विधवा फंड में रुपए 251 का सहयोग प्रदान करते हैं।

किस तरह कहें विदा आपको,
हम सभी न समझेंगे जुदा आपको।

*–**वेद रत्न बक्शी,** 192 श्रनगर, शकूर बस्ती, दिल्ली–110034*

स्व. सोमनाथ शास्त्री लव स्मृति

शास्त्री जी पूर्णतयः सनातन धर्मी थे। वे सनातन धर्म के राष्ट्रीय प्रचारक थे। परमात्मा में उनकी पूर्ण आस्था थी। वे एक विनयशील व्यक्तित्व के धनी तो थे ही, धर्मात्मा भी थे। जीवन भर हिन्दी और संस्कृति के अध्यापक रहे चाहे मलकवाल (पाकिस्तान) में हो चाहे दिल्ली में।

उनकी धर्मपत्नी श्रीमती जीवां बाई जी बहुत ही सतयोगी, स्नेहमयी तथा ईश्वर भक्त थीं। ब्रत, दान, कथा तथा हरि–स्मरण हमेशा ही करती रहती थीं। वे एक सद् गृहस्थ तथा सद् विचारों वाली मृदुल स्वभाव की महिला थीं।

हृदय से परमात्मा को स्मरण करने वाले ये दोनों ही परमात्मा के धाम को प्राप्त हुए हैं। उनका मार्गदर्शन हम सभी को हमेशा ही आलोकित करता रहेगा। शास्त्री जी की दसवें स्मृति तिथि 13.09.2013 को सारे परिवार ने याद किया। परिवार ने उनके स्मृति में 250 रु. शिक्षा फंड में अर्पित किए।

*–**नरेन्द्र लव (भतीजा),** शाहदरा, दिल्ली–110032*
मो. 9911564481

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

पुण्य-तिथि

हमारी पूज्य दिवंगत माता जी श्रीमती जयरानी दत्ता पत्नी स्वर्गीय श्री डिप्टीलाल दत्ता, बजवाला (पाकिस्तान) निवासी डब्ल्यु ज़ेड–1954, रानीबाग मुलतानी मौहल्ला दिल्ली–34, गत वर्ष दिनांक 10.10.2012 को परलोक सिधार गई उनकी मधुर याद में उनके पुत्र श्री अशोक दत्ता, निवासी 2320ए, राजा पार्क, दिल्ली–34 ने परिवार सहित जीएमएस को 500 रुपए विधवा फंड में दान दिए।

हमारी माताजी जयरानी जी का पूर्ण जीवन संघर्षशील रहा एक फौजी कि बीवी के रूप में उनकी भूमिका सदा प्रभावित रही हूँ उनके जीवन को जान कर जाना कि सरहद कि रक्षा करने वालों के परिवार खास तौर पर फौजी की बीवी का त्याग और पूर्ण परिवार का उत्तरदायित्व अकेले निभाना यह सब उनके जीवन से जाना जाता है। उनके चरणों में मेरे श्रद्धासुमन।–*नीलम दत्ता, फोनः 27106858*

17वीं पुण्य-तिथि पर श्रद्धांजलि

स्वर्गीय श्रीमती कमला वैद पत्नी स्वर्गीय श्री मदनलाल वैद 4325/3, नाहन हाऊस अंबाला शहर की 17वीं पुण्य–तिथि पर दिनांक 22.10.2013 पर उनकी बेटी व दामाद श्रीमती आशा बाली व श्री विरेन्द्रपाल बाली निवासी (43 प्रेम नगर अंबाला शहर) ने 100 रुपए स्वर्गीय रायजादा अनन्त राम बाली मैमोरियल विधवा फंड ट्रस्ट (जीएमएस) को दिए। परमात्मा स्वर्गीय श्रीमती कमला वैद जी की आत्मा को शांति प्रदान करें।– *पंकज बाली, महासचिव मोहयाल यूथ विंग, व जीएमएस मैनेजिंग कमेटी सदस्य*

हसीन पल

प्यार के हंसी पलों को हम अब भी याद करते हैं
आसमां से, सितारों से, हवाओं से तुम्हारी बात करते हैं
सकूं हमें तब मिला जब हवाओं ने हमें यह बताया
वो भी अपनी बातों में हमारा ज़िक्र ज़रूर करते हैं।

तन्हाई के ग़मग़ीन लम्हों में हम खो जाते हैं
बीती हुई हसीं यादों को लेकर आंसू बहा लेते हैं
हमें नींद नही आती हैं रातों में पर
उनको ख़्वाब में मिलने के लिए सो जाते हैं।

–बृजमोहन (मो. 9811244020)

युवा और मोहयाल समाज

उपरोक्त विषय मेरे विचार से आज के समय का मोहयाल समाज का एक ज्वलन्त विषय है। कई फोरम में, कई सभाओं में इस बार गाहे–बगाहे चर्चा सुनने में आती रही है लेकिन समस्या का कोई ठोस निवारण अभी तक किसी सकारात्मक परिणाम के साथ दिखाई नहीं दे रहा है।

देश विभाजन के पश्चात हमारे समाज को विस्थापन, रोजगार, व्यवसाय आदि का बड़ा कठिन दौर से गुजरना पड़ा। आज तक कई परिवार अभी भी इस त्रासदी से निकल नहीं पाए हैं। यह एक गहन चिन्तन का विषय है। कहते हैं कि समय हर समस्या का मरहम है। लेकिन शायद यह मरहम भी आजतक कई परिवारों को समाज की प्रगति की मुख्य–धारा से नहीं जोड़ पाया है।

मैं तो विभाजन पश्चात पैदा हुई पीढ़ी का सदस्य हूँ लेकिन समाज में हुए इस समस्या का अवश्य अपने छोटे से वातावरण में अध्यन, मनन किया है।

हमारी शीर्ष संस्था 'जनरल मोहयाल सभा' एवं उसके द्वारा मान्यता प्राप्त कई मोहयाल सभाओं में इस विषय पर हमारी नेतृत्व ने अवश्य विचार कर कई कार्यक्रम क्रियान्वित किए लेकिन मुझे अफसोस के साथ लिखना पड़ रहा है कि हमारे ही कुछ मोहयाल भाइयों ने इस विषय को सक बहुत ही भद्दा मज़ाक सा बना दिया है। हर वर्ष हम युवा मोहयाल समाज के लिए कुछ प्रोग्राम आयोजित किए जाते हैं लेकिन उसमें युवा कम और बूढ़े युवा अधिक सक्रिय नज़र आते हैं। हमें कोई किसी के सक्रिय होने पर एतराज नहीं लेकिन उन सक्रिय व्यक्तियों से एक निवेदन है कि युवाओं को भी अवश्य मोहयाली विचारधारा से जोड़ने का प्रभावशाली कार्य करें। हम इस सबका दोषारोपण युवाओं पर करते हैं जबकि वास्तविकता सबको मालुम है।

मेरा मोहयाल मित्र के सभी ज्ञानी, विचारवान पाठकों से निवेदन है कि आप अपने सुझाव जी.एम.एस. सचिवालय, नई दिल्ली को अवश्य लिखें और हो सके तो एक प्रति (फोटो कापी या ईमेल) हमें विश्वास दिलाते हैं कि शीघ्र ही हमारी सभा इस ज्वलंत विषय पर अपना ठोस कार्यक्रम जो प्रभावी भी होगा आप तक हर माध्यम से पहुँचाने का अवश्य प्रयत्न करेंगे। यही कार्यक्रम वास्तविक धरातल पर युवाओं को मोहयाल भावना की मूल धारा में पुनः वापिस लाने का हमारा प्रयास होगा, इस सबमें हमें आपके सक्रिय सहयोग की कामना है।

आपका शुभाकांक्षीः ***लालप्रवेश मेहता (लाल मेहता)***
देहरादून (मो. 9411108845)

एक श्लोकी रामायण

आदौ रामतपोवनादिगमनं हत्वा मृगं कांचन,
वैदेहीहरणं जटायुमरणं सुग्रीव संभाषणं,
बाली निर्दलनं समुद्रतरणं लंकापुरीदाहनं,
पश्चाद् रावणकुंभकर्ण हननं ऐतद्धि रामायणं।

एक श्लोकी भागवत

आदौ देवकी देव गर्भ जननं, गोपी गृहे वर्धनम्।
माया पूतन जीव तापहरणं, गोवर्धन धारणम्।।
कंसच्छेदन कौरवादी हननं, कुंती सुता पालनम्।
एतद् भागवत पुराण कथितं, श्री कृष्ण लीलामृतम्।।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

आइये थोक में दोस्त बनाईये

■ **सुनील दत्त**

मेरे एक परिचित हैं। दिल्ली यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर थे, अब रिटायर्ड हैं। कई विषयों के महारथी हैं जनाब। खाली समय का अभाव उनके पास न तो कॉलेज के दिनों में था और न अब है। कुछ ग्रंथो का लेखक होने का दावा करते हैं पर सच क्या है ये बस वही जानते हैं। कुछ सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हैं और कुछ संस्थाओं में तो पद भी लपेटे हुए हैं। फेसबुक के जूनून में इस कदर पागल हैं कि समय और अवसर का भी उन्हें ध्यान नहीं रहता। फेसबुक पर लगातार बढ़ती मित्रों की संख्या देख उनका जोश मारे उफान के सारी हदें तोड़ जाता है। कुछ महीनों पहले तक बड़े-बड़े गर्व भरे दावे करते फिरते थे कि कल पचास और आज तीस फेसबुक मित्र उनसे जुड़ चुके हैं। कुल मिलाकर संख्या का जो वे बखान करते शायद बारह सौ से ऊपर थी। ये साल भर पहले की बात है। अब तो संख्या पाँच हजार तक पहुँच गई होगी क्योंकि पाँच हजार से ज्यादा मित्र बनाने की इजाजत फेसबुक भी नहीं देती।

तेज रफ़्तार से भागती जिन्दगी जीने के संघर्ष में डूबे और नित नई मुश्किलों को सहने और सामना करने वाले जानते हैं कि सही मायनों में एक ही सही मित्र का होना बड़ा मुश्किल काम है, दो तो असंभव ही समझिये, और आप हैं कि पाँच हजार मित्रों को लेकर घूम रहे हैं। जब किसी को बुलाने का समय आएगा तो मुमकिन है एक भी ना मिले। फेसबुक पर बहुत ज्यादा समय बिताने वाले बंदे खुद को बहुत ज्यादा सोशल समझना शुरू कर देते हैं। तर्क-कुतर्क करने पर आमदा हो उठते हैं। जन्मदिन की, शादी की सालगिरह की, ढेरमढेर बधाईयाँ देश भर से और विदेशों तक से आ रही हैं पर मरने पर पड़ोसी भी नहीं आते उठाने को। फेसबुक में तो आपने पाँच हजार मित्र बना डाले और संतुष्टि का आभास हो गया आपको। क्या वास्तव में आप संतुष्ट हैं?

हर दिन बनते टूटते फेसबुक मित्रों की संख्या पर जाँएगें तो आश्चर्य नहीं होगा क्योंकि ये ऐसी दुनिया है जो कल तक आपको दोस्ती और प्रेम भरे मैसेज भेज रही होगी, और आज आपको गैर दोस्त बना देगी। मर्जी है उसकी। फेसबुक वर्चुअल दुनिया है। आभासी दुनिया, पर सच में है या नहीं पता नहीं। ये दुनिया टेक्नीक की दुनिया तो है ही पर भरोसे की दुनिया है ऐसा नहीं माना जा सकता। जो आज आपको बहुत भाव देता था देती थी, हो सकता है वो अगली सुबह तक आपको रिजेक्ट कर दे। जिस लड़की को ध्यान में रखकर या उसकी फोटो को अपने सामने रखकर आपने जो दिल की गहराईयों से निकलते कमेंट्स कहने का मन बनाया हो वह हो सकता है कि लड़की न होकर कोई साठ साल का वृद्ध पुरुष हो। फेसबुक पर ये संभव है।

अब कुछ लोग जो खुद को बुद्धिजीवियों की कतार में खुद को सबसे आगे रखने के प्रयास में लगे रहते हों। जो हर रोज घंटों घंटों कम्प्यूटर के आगे सर खपाते हैं, फेसबुक में अपने मित्रों की लंबी सी कतार देखते और उन पर गर्वित होते होते दूसरों के आगे इसकी चर्चा का चलीसा तक पढ़ डालते हों, जिनके पास कहने तक के लिए भी कोई एक ऐसा सच्चा मित्र न हो जो हर सुख दुख की घड़ी में हमेशा खड़ा हो। उनकी बुद्धि पर तरस खाने के सिवाय कर भी क्या सकते हैं। *-उत्तम नगर, नई दिल्ली (मो. 9311466836)*

अशोक लव का बाल-गीत

घर-सी मीठी नहीं मिठाई

माँ ने चलना हमें सिखाया,
पाल पोसकर हमें बढ़ाया।
संग पिता के कूदे खेले,
देखे उन संग कितने मेले।
दादा जी की पकड़ छड़ी,
है बागों की सैर करी।
दादी जी की बात निराली,
उनके संग हर दिन दीवाली।
खेल-कूदकर जब थक जाते,
सीधे घर को दौड़े आते।
घर आकर करते विश्राम,
घर-सा नहीं है कोई धाम।
घर है खुशियों का भंडार,
भाई-बहन का इसमें प्यार।
खा लें जितनी रसमलाई,
घर-सी मीठी नहीं मिठाई।

(यह कविता 'उत्थान' पाठ्य-पुस्तक में संकलित है और स्कूलों में पढ़ाई जा रही हैं।)

निवेदन है कि मेरी "जठेरों" वाली रचना सितम्बर महीने के मोहयाल मित्र में प्रकाशित हुई थी। उस दिन से मुझे अक्सर मोहयालों के बधाई संदेश आते रहते हैं। अधिकतर फोन करने वाले ये भी जानना चाहते हैं। कि दत्तों, मोहनों, और वैदों के जठेरों के स्थान की जानकारी के बाद बाली, छिब्बर, लौ और भिमवाल के स्थानों की जानकारी उनके पते के साथ दी जाए।

अतः मेरा आपसे अनुरोध है कि बाली, छिब्बर लौ और भिमवाल के जठेरों की विस्तृत जानकारी यदि किसी के पास है या जीएमएस के पास उपलब्ध है तो पाठकों की सुविधा के लिए प्रकाशित करने की कृपा करें।

जठेरों के उपलब्ध पते-

(1) **दत्तों के जठेरे (बाबा ठक्कर समाधि स्थल)**
गोल मंदिर के पास, (अमर पैलेस के सामने),
जिला गुरदासपुर (पंजाब)
सम्पर्कः मोहयाल सभा गुरदासपुर (पंजाब)

(2) **मोहनों के जठेरे**
गाँव-जापुवाल, पोस्ट आफिस- सोहल, जिला गुरदासपुर (पंजाब)
संपर्कः 9041176287 (मो.)

(3) **वैदों के जठेरे**
वार्ड नंबर-9, पोस्ट ऑफिस-साम्बा, जिला-साम्बा
(जम्मू एंड कश्मीर)
संपर्कः फोनः 01923-246268

-ईशा मोहन, *नंदपुर (साम्बा) जम्मू एण्ड कश्मीर*
मो.: 9419245604

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor